मुख्यमंत्री ने किया आईआईएम में पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम का शुभारंभ

सीखने की कोई उम्र नहीं, नेतृत्व क्षमता में लगातार निखार जरूरी: साय

सतत सीखने से ही जनप्रतिनिधियों की भूमिका होगी प्रभावी

नेतृत्व क्षमता को सशक्त बनाने के लिए विधायकों का विशेष प्रशिक्षण

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में आयोजित दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में हमेशा सीखते रहने की बात करते हैं और निश्चित रूप से सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। यहां कई ऐसे विधायक मौजूद हैं, जिनका जनप्रतिनिधि के रूप में लंबा अनुभव है, लेकिन वे भी इस कार्यक्रम को लेकर बहुत अधिक उत्साहित है।

श्री साय ने कहा, आप सभी सदस्यों की मौजूदगी साबित करती है कि छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर आप कितने चिंतित और उत्साहित हैं। हम सभी के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए और छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों में यह बात हमेशा से कायम है। हमें प्रदेशवासियों के हित में सदैव समर्पित होकर काम करना है। जनप्रतिनिधि के रूप में आमजनों से आपका व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है और यह लोगों के मन में आपके और संसदीय व्यवस्था के प्रति विश्वास को अधिक मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन की संकल्पना को स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की और कहा कि यदि हमें प्रदेश को आगे ले जाना है तो सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए समान रूप से तैयार रहना होगा। उन्होंने सार्वजनिक हित में तकनीक के सदुपयोग पर विशेष जोर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लीडरशिप प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग सोच रहे होंगे कि जीतने के बाद हमारा प्रशिक्षण क्यों? जीतने के बाद हमारी जिम्मेदारी और भूमिका बढ़ जाती है, इसलिए हमें लगातार सीखते रहना चाहिए। डॉ. सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल से जुड़े कई अनुभव साझा किए और जनता से व्यवहार, जुड़ाव और उनका भरोसा जीतने को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

हमें लगातार सीखते रहना चाहिए : रमन

आदिवासी मुख्यमंत्री बना है, ये लोकतंत्र की ताकत है :

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास मंहत ने कहा कि विधायक बनते ही हम लीडर बन गए, ऐसा सोचना गलत धारणा होगी। लीडर बनना एक प्रक्रिया है और हमें यह सीखना होगा। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों से निकलकर जशपुर का एक आदिवासी बेटा आज मुख्यमंत्री बना है, यह हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती और ताकत है। कार्यक्रम में नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम, आईआईएम रायपुर के निदेशक रामकुमार काकानी, आईआईएम के प्रोफेसर सुमीत गुप्ता, संजीव पराशर व अर्चना पराशर उपस्थित थे।

पिछला चिंतन शिविर बेहद उपयोगी

मुख्यमंत्री ने आईआईएम में पिछले वर्ष आयोजित चिंतन शिविर को अत्यधिक उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर में हमने जो कुछ सीखा था, छत्तीसगढ़ के नीति निर्माण में हमने इसका भरपूर उपयोग किया है। विजन डॉक्यूमेंट से लेकर बजट तैयार करने में भी हमें इससे बड़ी मदद मिली। उन्होंने कहा, पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम नवीन समाधानों को साझा करने का मजबूत मंच है और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को पाने में यह उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगा।

Navabharat(My City), 23 March 2025, p 05